झारखण्ड शैक्षिकअनुसंधान एवंप्रशिक्षणपरिषद्, राँची

(Jharkhand Council of Educational Research and Training, Ranchi)

**PROJECT RAIL**

**(REGULAR ASSESSMENT FOR IMPROVED LEARNING)**

**(GENERAL SCHOOL)**

विषय - अर्थशास्त्र कक्षा - 12

# ANSWER KEY

## SECTION - A (1x6=6) (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

1. उत्तर: C) सरकार की वार्षिक आय-व्यय का विवरण - Statement of annual income and expenditure of the government

2. उत्तर: B) वार्षिक वित्तीय विवरण - Annual Financial Statement

3. उत्तर: B) वित्त मंत्री - Finance Minister

4. उत्तर: B) 1 अप्रैल से 31 मार्च - 1 April to 31 March

5. उत्तर: D) कर बजट - Tax Budget

6. उत्तर: A) व्याज भुगतान और स्कूल भवन का निर्माण

## SECTION - B (4x2=8) (**लघु उत्तरीय प्रश्न**)

7 उत्तर:- बजट सरकार द्वारा तैयार किया गया एक वार्षिक दस्तावेज होता है, जिसमें आगामी वित्तीय वर्ष के लिए सरकार की अनुमानित आय और व्यय का विवरण प्रस्तुत किया जाता है।

8. उत्तर:

- राजस्व बजट: इसमें सरकार की आमदनी और दिन-प्रतिदिन के खर्चों का विवरण होता है।
- पूंजीगत बजट: इसमें संपत्तियों की खरीद, निवेश और ऋण अदायगी जैसी पूंजीगत मदों का उल्लेख होता है।



04-1-2025

9. उत्तर:

1. देश की आर्थिक स्थिरता बनाए रखना।
2. सामाजिक व आर्थिक विकास को गति देना।

10. उत्तर:- जब सरकार की कुल प्राप्तियों की तुलना में कुल व्यय अधिक होता है, तो उसे बजट घाटा कहा जाता है।

## SECTION - C (2x3=6) (**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**)

11. उत्तर:- बजट एक वार्षिक वित्तीय विवरण है, जिसमें सरकार अपनी आगामी एक वर्ष की अनुमानित आय और व्यय का विवरण प्रस्तुत करती है। भारत में यह बजट वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) के लिए तैयार किया जाता है और संसद के समक्ष वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। बजट एक ऐसा दस्तावेज है, जिसमें बताया जाता है कि सरकार को अगले वर्ष कितना पैसा कहाँ-कहाँ से प्राप्त होगा और वह कितना-कितना तथा कहाँ खर्च करेगी।

### **बजट के प्रमुख घटक (Main Components of Budget)**

सरकारी बजट के दो मुख्य घटक होते हैं:

**(1) राजस्व बजट (Revenue Budget)**

इस भाग में सरकार की सामान्य आय और व्यय का विवरण दिया जाता है।

दो भाग होते हैं:

- राजस्व प्राप्तियाँ (Revenue Receipts):

वो आय जो सरकार कर और गैर-कर स्रोतों से प्राप्त करती है। जैसे — आयकर, जीएसटी, शुल्क, लाभांश आदि।

- राजस्व व्यय (Revenue Expenditure):

वो खर्च जो सरकार सामान्य सेवाओं, वेतन, ब्याज भुगतान, पेंशन आदि पर करती है। इसमें कोई परिसंपत्ति निर्माण नहीं होता।

**(2) पूंजीगत बजट (Capital Budget)**

इस भाग में सरकार की पूंजीगत आय और व्यय का विवरण दिया जाता है।

दो भाग होते हैं:

- पूंजीगत प्राप्तियाँ (Capital Receipts):

वो धनराशि जो सरकार ऋण, उधारी, सार्वजनिक संपत्ति की बिक्री आदि से प्राप्त करती है।

- पूंजीगत व्यय (Capital Expenditure):

वो खर्च जो सरकार सड़क, पुल, विद्यालय, अस्पताल, परियोजनाओं, रक्षा उपकरण आदि परिसंपत्तियों के निर्माण पर करती है।

OR

**राजकोषीय घाटा क्या है** ? What is fiscal deficit?

उत्तर- जब कुल प्राप्तियां ( उधार छोड़कर ) कुल व्यय की तुलना में कम रहती हैं तो उसे राजकोषीय घाटा कहा जाता है | जिसे सूत्र के रूप में निम्न प्रकार से लिख सकते हैं |

**राजकोषीय घाटा = कुल व्यय – कुल प्राप्तियां (उधार छोड़कर )**

राजकोषीय घाटा वास्तव में सरकार द्वारा लिए गए समस्त ऋणों एवं अन्य देयताओं के बराबर होती है अर्थात :-

राजकोषीय घाटा = सरकार द्वारा लिए गए सभी ऋण + अन्य देयताएं

इस घाटे को पूरा करने के लिए सरकार देश के साथ- साथ विदेशों से ऋण लेती है ,विनिवेश का सहारा लेती है , भारतीय रिज़र्व बैंक से उधार लेती है जिसके लिए बैंक नये नोट छापती है|

वास्तव में यह घाटा उत्पन्न होने पर सामान्यत: निम्न समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं :-

(a) महंगाई तेजी से बढ़ने लागती है |

(b) देश का ऋण जाल में फंसने की सम्भावना बढ़ जाती है |

(c) अर्थव्यवस्था का विकास अवरुद्ध हो जाता है |

(d) विदेशी हस्तक्षेप की सम्भावना बढ़ जाती है |

12. उत्तर: -

## सरकारी बजट के उद्देश्य एवं महत्व

सरकारी बजट किसी भी देश की आर्थिक नीति का आधार होता है। इसका मुख्य उद्देश्य देश की आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देना है।

### सरकारी बजट के उद्देश्य (Objectives of Government Budget)

(1) आर्थिक स्थिरता बनाए रखना

- बजट के माध्यम से सरकार महँगाई और मंदी जैसी समस्याओं पर नियंत्रण रखती है।

(2) सामाजिक न्याय स्थापित करना

- समाज के सभी वर्गों में आर्थिक असमानता को कम करना और निर्धन वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएँ बनाना।

(3) आर्थिक विकास को प्रोत्साहन देना

देश में शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, उद्योग एवं कृषि विकास पर बजट में विशेष ध्यान दिया जाता है।

(4) आय का पुनर्वितरण (Redistribution of Income)

- उच्च आय वालों से अधिक कर लेकर गरीब और पिछड़े वर्गों को सुविधाएँ उपलब्ध कराना।

(5) रोजगार अवसर सृजित करना

- विभिन्न विकास योजनाओं और परियोजनाओं में निवेश कर रोजगार के नए अवसर पैदा करना।

(6) आय और व्यय में संतुलन बनाए रखना (Fiscal Discipline)

- सरकार को अपनी आय और व्यय का संतुलन बनाए रखना ताकि वित्तीय घाटा कम हो।

### सरकारी बजट का महत्व (Importance of Government Budget)

(1) सार्वजनिक कल्याण में वृद्धि — बजट के ज़रिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क आदि पर खर्च बढ़ाकर जनसुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

(2) राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करना — सेना, पुलिस, सुरक्षा उपकरण आदि के लिए बजट में राशि का प्रावधान।

(3) गरीबी उन्मूलन में सहायक — सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए बजट में प्रावधान कर निर्धनता कम करने का प्रयास।

(4) निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन — टैक्स में छूट व सहायता देकर उद्योग और व्यवसाय को प्रोत्साहित करना।

(5) भविष्य की योजनाओं का आधार — बजट के ज़रिए सरकार भविष्य की नीतियाँ व योजनाएँ तैयार करती है।

**OR**

**संतुलित बजट ,आधिक्य बजट (बचत का बजट) तथा घाटे की बजट की व्याख्या करें** |

( Explain balanced budget, surplus budget (savings budget) and deficit budget.)

उतर :- **( A ) संतुलित बजट :-** वह बजट जिसमे सरकार की अनुमानित आय एवं सरकार की अनुमानित व्यय दोनों आपस में बराबर होती हैं | उसे संतुलित बजट कहते हैं अर्थात :-

संतुलित बजट -> सरकार की अनुमानित आय = सरकार की अनुमानित व्यय

संतुलित बजट के गुण एवं दोष :-

i. गुण :- a) आर्थिक स्थिरता स्थापित करने में सहायक |

b) सरकार के अनावश्यक खर्चों पर विराम लग जाता है |

ii. दोष :- a) मंदी से निपटने में सक्षम नहीं है |

b) बेरोजगारी की समस्या को दूर नहीं कर पाती है

c) गरीब एवं पिछड़े देशों के अनुकूल नहीं है |

d) सार्वजानिक कल्याण से सम्बंधित खर्चों पर विराम लग जाताहै

e) आर्थिक विकास की प्रक्रिया बाधित हो जाती है |

**(B) आधिक्य बजट :-** वह बजट जिसमे सरकार की अनुमानित आय सरकार की अनुमानित व्यय की तुलना में अधिक रहती है उसे आधिक्य बजट कहते हैं | अर्थात :-

आधिक्य बजट = सरकार की अनुमानित आय > सरकार की अनुमानित व्यय

**आधिक्य बजट के गुण एवं दोष :-**

**I. गुण :-** a) महंगाई से निपटने में काफी असरदार है |

b) सरकार के ऋण में कमी लाती है

c) उधार लेने की जरुरत थोड़ी कम हो जाती है |

**ii. दोष :-** a) मंदी से निपटने में कारगर नहीं है |

b) निवेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है |

c) आर्थिक विकास अवरुद्ध हो जाती है |

**(C) घाटे का बजट :-** वह बजट जिसमे सरकार की अनुमानित आय सरकार की अनुमानित व्यय से कम रहती है उसे घाटे का बजट कहते हैं | अर्थात –

घाटे का बजट = सरकार की अनुमानित आय < सरकार की अनुमानित व्यय

**घाटे का बजट के गुण एवं दोष :-**

**I. गुण :-** a) मंदी से निपटने में सहायक |

b) आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिलता है |

c) बेरोजगारी की समस्या को दूर करने में सक्षम |

d) गरीब एवं पिछड़े देशों के अनुकूल |

**ii. दोष :-** a) महंगाई तेजी से बढ़ सकती है |

b) सरकार ऋण जाल में फंस सकती है |

c) सरकार के अनावश्यक खर्चों में वृद्धि हो जाती है |

इस प्रकार स्पष्ट है कि तीनों बजट के अपने गुण एवं दोष हैं लेकिन वर्तमान संदर्भ देखा जाय तो घाटे का बजट को दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं के लिए सर्वाधिक उपयुक्त माना जाता है क्योंकि यह न केवल आर्थिक विकास में तेजी लाती है बल्कि रोजगार के अवसरों का सृजन भी बढ़ी मात्रा में कर सकती है जो वर्तमान उपभोक्तावादी समाज एवं बढती जनसंख्या के लिए काफी आवश्यक है |